शनिवार, 13 जनवरी 2024, ठाणे, मुंबई

दैनिक सिटी न्यूज़ मुंबई

सच का जोश

वर्ष 13 • अंकः 142 CITY NEWS MUMBAI

मोदी लक्षद्वीप गए और मालदीव में भूकंप आया; सीएम शिंदे ने की प्रधानमंत्री की तारीफ

मुंबई. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महाराष्ट्र के दौरे पर हैं, इस बीच मोदी आज नासिक में राष्ट्रीय युवा महोत्सव का उद्घाटन करेंगे, इससे पहले नासिक के तपोवन में मोदी की एक जनसभा हुई थी। इस बैठक में देखा गया कि राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मोदी की जमकर तारीफ की। शिंदे ने कहा, इतना ही नहीं, मोदी ने बालासाहेब ठाकरे के अयोध्या में राम मंदिर के सपने को भी पूरा किया।

महाराष्ट्र के कुंभ नगर में मुख्यमंत्री शिंदे ने प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया. उन्होंने नासिक में राष्ट्रीय युवा महोत्सव आयोजित करने का अवसर देने के लिए प्रधान मंत्री मोदी को भी धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि भगवान राम और लक्ष्मण माता सीता के साथ गोदावरी के तट पर शेष पृष्ठ 7 पर

PM मोदी ने किया सी-ब्रिज 'अटल सेतु' का उद्घाटन

समुद्र की गहराई में कैसे बना देश का पहला सी-ब्रिज 'अटल सेतु'?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (Narendra Modi) ने शुक्रवार को मुंबई से नवी मुंबई को जोड़ने वाले देश के सबसे लंबे समुद्र पुल अटल सेतु (Atal Setu) का उद्घाटन कर दिया है. इस पुल के चालु होने के बादमुंबई से नवी मुंबई की दूरी को 20 मिनट में पूरा किया जा सकेगा, जिसमें अब तक 2 घंटे लग जाते थे. इतना ही नहीं, इस पुल को तकनीक से भी जोड़ गया है. इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (artifical Intelligence) से लैस सीसीटीवी कैमरे लगे हैं. अटल

सेतु की खासियत यह भी है कि 22 किलोमीटर लम्बा यह पुल 16 किलोमीटर तक समुद्र में है और मात्र 5.5 किलोमीटर जमीन में. ऐसे में सवाल है कि आखिर समुद्र की इतनी गहराई में कैसे बना लिया जाता है पुल. समुद्र में कैसे बनाया जाता है पुल, 5 पॉइंट में समझें कैसे होती है शुरुआतः पुल को शेष पृष्ठ 7 पर

महाराष्ट्र में I.N.D.I.A गठबंधन में सीट बंटवारे का 20-18-10 फॉर्मूला लेकिन कहां-कौन लड़ेगा इस पर पेंच बाकी

मुंबईः महाराष्ट्र में I.N.D.I.A अलायंस यानी कि महाविकास आघाडी (MVA) के घटक दलों के बीच का सीट शेयरिंग का फॉर्मूला सामने आया है। इसके अनुसार 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को 20 और शिवसेना को 18 सीटें मिल सकती है। शरद पवार के लिए 10 सीटें छोड़ने पर विचार हो रहा है। महाराष्ट्र में लोकसभा की कुल 48 सीटें हैं। सूत्रों की मानें तो मोटे तौर पर इस फॉर्मूले पर सहमति बन गई है, लेकिन अभी बातचीत पूरी नहीं हुई है। कांग्रेस-उद्धव गुट के

बीच पेंच कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि हमारा मानना है कि '20,18,10' फॉर्मूला सभी के लिए फायदेमंद होगा और इससे सभी को खुश रहना चाहिए। बड़ा मुद्दा यह तय करना है कि कौन सी पार्टी किस सीट पर चुनाव लड़ेगी और हम इसे हल करने की कोशिश कर रहे हैं। नेता ने बताया कि एक दर्जन सीटें ऐसी हैं, जहां सहयोगी दलों की ओर से प्रतिस्पर्धी दावेदारी है। ज्यादातर पर विवाद कांग्रेस द्वारा उन सीटों पर दावा करने से संबंधित हैं जो 2019 में विभाजन से पहले शिवसेना के पास थीं। सेना के 13 सांसद हैं जो शिंदे खेमे में शामिल हो गए हैं और कांग्रेस इनमें से कई सीटों पर लड़ने की इच्छुक है। कांग्रेस अपने शेष पृष्ठ 7 पर

सीईसी, ईसी की नियुक्ति कानून पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, केंद्र को नोटिस

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों (EC) की नियुक्ति संबंधी कानून (हाल में संशोधित) पर रोक लगाने की याचिका शुक्रवार को इनकार कर दिया, हालांकि इस मामले में केंद्र सरकार को अपना जवाब दाखिल करने के लिए नोटिस जारी किया है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील विकास सिंह की कानून पर रोक लगाने की दलीलें खारिज करते हुए कहा, "हम इस तरह कानून पर रोक नहीं लगा सकते।" पीठ ने हालांकि केंद्र को नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने को कहा और इस मामले में अप्रैल 2024 में शेष पृष्ठ 7 पर

एकनाथ शिंदे का दावा-

'लोकसभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र में राजनीतिक भूचाल आएगा

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को दावा किया कि आगामी लोकसभा चुनाव के बाद राज्य में 'राजनीतिक भूचाल' आएगा. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'अटल बिहारी वाजपेयी सेवारी-न्हावा शेवा अटल सेतु' का शुक्रवार को उद्घाटन करने के बाद शिंदे एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे. भारत का यह सबसे लंबा समुद्री पुल दक्षिण मुंबई को नवी मुंबई में न्हावा-शेवा से जोड़ता है. मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश 'बुलेट की स्पीड' से प्रगति कर रहा है. उन्होंने कहा, ''लोकसभा चुनाव के बाद, राज्य में एक राजनीतिक भूचाल आएगा... हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि मोदी 400 से अधिक सीटों के साथ तीसरी बार सत्ता में लौटें, जबकि महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन (लोकसभा की कुल 48 में से) 45 से अधिक सीटें जीतेगा.''

सीएम शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र का सत्तारूढ़ गठबंधन - जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शामिल हैं - विकास के एजेंडे पर चुनाव का सामना करेंगे. मुख्यमंत्री की टिप्पणी महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के उस फैसले के दो दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था शेष पृष्ठ 7 पर

सीट शेयरिंग पर TMC ने कांग्रेस को बताई अपनी राय; गठबंधन समिति की बैठक में नहीं आने का फै सला

तृणमूल कांग्रेस (TMC) 28 विपक्षी दलों के गठबंधन- INDIA के सबसे अहम घटकों में एक माना जा रहा है। गठबंधन में शामिल राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के बीच सीट शेयरिंग को लेकर मंथन का दौर भी जारी है। कांग्रेस पार्टी की आंतरिक गठबंधन समिति भी सीटों के बंटवारे पर चर्चा कर रही है। कांग्रेस इंडिया में शामिल सबसे बड़ी पार्टी है। टीएमसी और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे को पेचीदा माना जा रहा है। इसी बीच सूत्रों ने कहा है कि कांग्रेस के साथ गठबंधन के मुद्दे पर चर्चा के लिए तृणमूल कांग्रेस ने बैठक में शामिल न होने का फैसला लिया है। सूत्रों के मुताबिक पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने सीट शेयरिंग के मामले में अपनी राय कांग्रेस को बता दी है। उन्होंने गुरुवार को बताया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और टीएमसी नेताओं ने सीटों के बंटवारे पर कांग्रेस के गठबंधन पैनल के साथ बैठक नहीं करने का फैसला लिया है। टीएमसी सूत्रों के मुताबिक गठबंधन समिति के साथ किसी भी बैठक में तृणमूल अपने प्रतिनिधियों को नहीं भेजेगी। तृणमूल के मुताबिक वह पहले ही कांग्रेस पार्टी को अपना रुख बता चुकी है। दरअसल, इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस (INDIA) में सीटों के बंटवारे पर आम सहमति बननी बाकी है। कांग्रेस की आंतरिक समिति गठबंधन में शामिल सहयोगियों के साथ सीट-बंटवारे पर बातचीत कर रही है। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, टीएमसी सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस ने ऐसी बैठक के लिए पार्टी नेताओं से संपर्क किया है और उन्हें बताया गया है कि वे बातचीत के लिए किसी प्रतिनिधि को भेजने के इच्छुक नहीं हैं। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने कांग्रेस को दो सीटों की पेशकश की है। ये वही दो सीटें हैं, जिसे कांग्रेस 2019 के लोकसभा चुनावों में जीतने में सफल रही थी। बता दें कि पश्चिम बंगाल में 42 लोकसभा सीट हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कांग्रेस ने कहा है कि टीएमसी की तरफ से की गई पेशकश बहुत कम है। इसे स्वीकार करना मुश्किल है। तृणमूल सूत्रों के मुताबिक वर्तमान प्रस्ताव में कोई भी बदलाव केवल तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ही कर सकती हैं। पार्टी सूत्रों ने कहा कि टीएमसी मेघालय में एक जबकि असम में भी कम से कम दो लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने पर विचार कर रही है। खबरों के मुताबिक लोकसभा चुनाव 2024 में कुल 543 सीटों में कई और सीटों पर भी तृणमूल चुनाव लड़ सकती है। पार्टी सूत्रों ने कहा कि टीएमसी की स्थानीय इकाई गोवा में भी एक सीट से चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर कर चुकी है। 2021 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल को गोवा में लगभग पांच प्रतिशत वोट मिले थे। पार्टी सूत्रों के मुताबिक टीएमसी गोवा से चुनाव लड़ने पर दबाव नहीं डालेगी। पार्टी ने इस तटीय राज्य में कांग्रेस का समर्थन करने का फैसला लिया है। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम बंगाल के संदर्भ में एक वरिष्ठ तृणमूल नेता ने कहा, टीएमसी की पेशकश पिछले विधानसभा और लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के वोट शेयर पर आधारित है। पश्चिम बंगाल की 42 सीटों में से कम से कम 39 सीटों पर कांग्रेस के पास पांच प्रतिशत से भी कम वोट शेयर रहा है। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस को 2021 के विधानसभा चुनाव में 2.93 फीसदी वोट मिले थे। इससे पहले 2016 के विधानसभा चुनाव में 12.25 फीसदी, जबकि 2019 के लोकसभा चुनाव में केवल 5.67 फीसदी वोट मिले थे। तृणमूल नेता ने कहा, कांग्रेस नेतृत्व को बंगाल में जमीनी हकीकत को स्वीकार करना चाहिए। उनका जनाधार कमजोर है।

समान मुद्दे पर कनाडा-यूएस का रुख अलग क्यों? विदेश मंत्री जयशंकर ने बताया; ट्रूडो को सुनाई खरी-खरी

कनाडा और अमेरिका के साथ संबंधों को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने खुलकर बात की है। अंग्रेजी मीडिया को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने दोनों देशों के बीच संबंधों में अंतर को बताते हुए कहा कि कनाडा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर आतंकवाद और चरमपंथी गतिविधियों को सही ठहराता है, जबकि अमेरिका ऐसा नहीं करता है। अमेरिका ने हमारे साथ अपनी चिंताओं को साझा किया, जबकि कनाडा ने ऐसा नहीं किया। उन्होंने खुलेआम हम पर आरोप लगाए हैं।

कनाडा ने हमारी राजनीति में किया हस्तक्षेप- जयशंकर

अंग्रेजी मीडिया को दिए इंटरव्यू के हवाले से जयशंकर ने कहा कि कनाडा ने कई बार हमारी राजनीति में हस्तक्षेप किया। दुनिया में पंजाब की घटना पर केवल कनाडा के प्रधानमंत्री ने ही टिप्पणी दी थी। गौरतलब है कि खालिस्तानी आतंकी निज्जर की मौत के बाद से कनाडा-भारत के राजनयिक रिश्तों में खटास पैदा हुई थी। जिसके बाद से दोनों देशों के बीच इसको लेकर जुबानी जंग शुरू हो गई थी।

कनाडाई राजनीति ने खालिस्तानी को दी पनाह- जयशंकर

जयशंकर ने कहा कि कनाडाई राजनीति ने खालिस्तानी ताकतों को हमेशा से संरक्षण दिया है। इन्ही कारणों की वजह से हमारे संबंधों में खटास आई हैं। जयशंकर ने कहा कि लेकिन दुर्भाग्य से कनाडा की राजनीति के हालात ऐसे ही हैं।

भारत-कनाडा के संबंधों में क्यों आई दरार

दरअसल, खालिस्तानी आतंकी निज्जर की मौत के बाद से कनाडा के साथ भारत के रिश्तों में दरार आई है। कनाडाई पीएम ट्रूडो ने अपनी संसद में भारत की जांच एजेंसियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा था निज्जर की मौत के पीछे भारतीय एजेंसियों का हाथ है। जिसके बाद से दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध बिगड़ गए।

अयोध्या में प्रतिदिन 30 हजार लोगों के रुकने का इंतजाम करेगी सरकार, होटल के दामों पर होगा नियंत्रण

2 जनवरी को श्रीरामलला अपने दिव्य-भव्य मंदिर में विराजमान होंगे। कई महीनों में अनेक राज्यों का दौरा कर चुके उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री मेजबान के रूप में 22 जनवरी के बाद लोगों को आमंत्रित भी कर चुके हैं। लिहाजा उनके रहने-खाने, रुकने, साफ सफाई की मुकम्मल व्यवस्था हो, इसके लिए सीएम योगी ने खुद खाका तैयार कर अफसरों को टास्क दे दिया है। योगी सरकार के निर्देश पर शासन-प्रशासन स्तर पर फिलहाल प्रतिदिन 30 हजार लोगों के रुकने की व्यवस्था की जा रही है। श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए इसमें और इजाफा भी किया जाएगा। विगत दिनों रामनगरी आए योगी आदित्यनाथ ने निरीक्षण व समीक्षा बैठकों में साफ-सफाई, आतिथ्य स्वागत व अच्छा व्यवहार हर हाल में सुनिश्चित करने को कहा था।

होटल, धर्मशाला, होम स्टे, टेंट सिटी व डॉरमेट्री में की जा रही व्यवस्था

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर स्थानीय प्रशासन श्रद्धालुओं व पर्यटकों के रुकने की चाक-चौबंद तैयारी कर रहा है। इसके लिए होटल, धर्मशाला-गेस्ट हाउस, होम स्टे-पेइंग गेस्ट, टेंट सिटी- आश्रय स्थल, डॉरमेट्री आदि में व्यवस्था की जा रही है। फिलहाल तैयारी के अनुसार वर्तमान में 60 होटलों में 40 कमरों के हिसाब से 7200 पीपीडी (पर्सन पर डे) को रोका जाएगा। 171 धर्मशाला-गेस्ट हाउस में 17 हॉल व 2742 कमरों की अनुमानित व्यवस्था है। 2742 कमरों में चार लोगों तथा 17 हॉल में पांच लोगों के ठहरने की व्यवस्था के अनुरूप माना जा रहा है कि 11818 पीपीडी रामनगरी में रुककर दर्शन-पूजन कर सकते हैं।

होम स्टे-पेइंग गेस्ट में 570 संपत्तियां हुईं ऑन बोर्ड

होम स्टे-पेइंग गेस्ट योजना के तहत भी अयोध्या में काफी कार्य हो चुका है।

फिलवक्त यहां 570 संपत्तियां ऑन बोर्ड हो चुकी हैं। प्रति होम स्टे में चार कमरे और दो पीपीआर (पर्सन पर रेशियो) के हिसाब से प्रतिदिन 4400 लोगों के रुकने की व्यवस्था कराई जा रही है। फिलहाल सरकारी स्तर पर 200-200 लोगों की व्यवस्था वाली दो टेंट सिटी तथा तीन आश्रय स्थलों में 5100 व्यक्ति यानी कुल 5400 लोगों के रुकने की व्यवस्था कराई जा रही है। वहीं डॉरमेट्री की व्यवस्था के अनुरूप तीन व्यावसायिक संकुल में प्रस्तावित डॉरमेट्री में 700 बेड्स की व्यवस्था सुचारू रूप से की हो रही है।

रुकने वाले यात्रियों की संख्या में वृद्धि के मद्देनजर भी की जा रही तैयारी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बीते दिनों अयोध्या आए थे। यहां कई टेंट सिटी के निरीक्षण के उपरांत उन्होंने यह निर्देश दिया था कि यहां आने वाले पर्यटकों व श्रद्धालुओं की संख्या में बेतहाशा वृद्धि होगी, लिहाजा होमस्टे-पेइंग गेस्ट और टेंट सिटी बढ़ाई जाए।

सीएम ने प्रशासनिक स्तर पर की जा रही व्यवस्था के अलावा राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट व अन्य आनुसांगिक संगठनों की तरफ से हो रही व्यवस्था में भी और वृद्धि करने का आग्रह किया था। प्रतिदिन 30 हजार लोगों के रुकने की व्यवस्था में और वृद्धि होगी।

इस लिहाज से तैयारियों को बढ़ाया जाए हर हाल में रखा जाए आतिथ्य परंपरा का ध्यान।

तमंचे की नोक पर महिला से दुष्कर्म, 50 हजार की नकदी छीनकर दुष्कर्मी फरार, मामला दर्ज

धौलपुर शहर में एक विवाहिता के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी ने तमंचे की नोक पर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। 50 हजार रुपये की नकदी छीनकर आरोपी मौके से फरार हो गया है। विवाहित ने नामजद आरोपी के खिलाफ महिला पुलिस थाने में केस दर्ज कर दिया है। पुलिस ने अभियोग पंजीबद्ध कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। सीओ सिटी सुरेश सांखला ने बताया, शहर की एक महिला ने दुष्कर्म का आपराधिक प्रकरण दर्ज कराया है। महिला ने रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि उसका पति और सास-ससुर घर से बाहर गए हुए थे। महिला घर पर अकेली थी। आरोपी 10 जनवरी की रात को घात लगाकर उसके घर में घुस गया। जहां अवैध कट्टे की नोक पर महिला से छेड़छाड़ शुरू कर दी, जिसका विरोध करने पर जैसे ही महिला चिल्लाई तो आरोपी ने उसके मुंह में कट्टा लगाकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी घर में रखी 50 हजार रुपये की नकदी के साथ सोने और चांदी के आभूषणों को छीनकर ले गया। सीईओ ने बताया, पीड़ित महिला की शिकायत पर महिला थाने में आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। घटना को लेकर महिला का मेडिकल कराने के साथ ही पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

कर्म चारियों के लिए खुशखबरी...चार प्रतिशत बढ़े हुए महंगाई भत्ते पर मुख्यमंत्री धामी की मुहर

विभिन्न संगठनों की मांग के बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चार प्रतिशत बढ़े हुए महंगाई भत्ते की पत्रावली को अनुमोदन दे दिया है। इससे पहले दिन में उत्तराखंड अधिकारी कर्मचारी शिक्षक समन्वय समिति ने मुख्यमंत्री से महंगाई भत्ता बढ़ाने की मांग की थी। केंद्र के समान महंगाई भत्ता चार प्रतिशत बढ़ाने की मांग कई माह से चल रही है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री ने इसकी पत्रावली पर अनुमोदन दे दिया। शनिवार को इसका आदेश जारी हो सकता है। अपर मुख्य सचिव वित्त आनंदबर्द्धन ने बताया कि मुख्यमंत्री का अनुमोदन मिलने के बाद जल्द ही आदेश जारी कर दिया जाएगा।

सचिवालय संघ ने जताया आभार

सचिवालय संघ ने मुख्यमंत्री का आभार जताया। संघ के अध्यक्ष सुनील लखेड़ा, उपाध्यक्ष जीतमणि पैन्यूली, महासचिव राकेश जोशी, संयुक्त सचिव रणजीत सिंह रावत, लालमणि जोशी, रेनू भट्ट, रमेश बड़थ्वाल, प्रमिला टमटा ने कहा कि काफी समय से ये मांग की जा रही थी, जिससे लाखों कर्मचारियों को लाभ होगा।

'33 साल का इंतजार खत्म होने वाला है'; मंदिर आंदोलन में शामिल रहे कारसेवकों की बहन का बयान

अयोध्या के राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का इंतजार करोड़ों श्रद्धालु कर रहे हैं। 22 जनवरी को भव्य मंदिर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई गणमान्य मेहमान मौजूद रहेंगे। मंदिर के लिए 1989-90 में बड़े पैमाने पर आंदोलन हुआ था। इसमें देशभर के हजारों-लाखों श्रद्धालु शामिल हुए थे। मंदिर निर्माण के आंदोलन में शामिल लोगों को कारसेवक कहा जाता है। इन कारसेवकों में राम और शरद कोठारी भी शामिल थे। बाबरी विध्वंस के बाद राम मंदिर की स्थापना की घटना को कारसेवा भी कहा जाता है। करीब तीन दशक पहले हुई कारसेवा में शामिल कोठारी बंधुओं की पुलिसिया कार्रवाई में मौत हो गई थी। लगभग 33 साल पहले हुई इस घटना के बाद दोनों की बहन पूर्णिमा कोठारी ने कहा, मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के साथ उनका 33 साल का इंतजार खत्म होने वाला है। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में रहने वाले कोठारी परिवार का मानना है कि इस दिन का लंबे समय से इंतजार था। दो भाई राम और शरद कोठारी की मौत नवंबर, 1990 में हुई थी। 30 अक्तूबर 1990 को विवादित बाबरी मस्जिद पर चढ़े कारसेवकों में दोनों भाई शामिल थे। विवादित ढांचे पर भगवा झंडा फहराने वाले पहले लोगों में दोनों भाई शामिल थे। कानून व्यवस्था बिगड़ने पर 2 नवंबर, 1990 को तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह ने अयोध्या में तैनात पुलिस बलों को कार-सेवकों पर गोली चलाने का आदेश दिया था। इसी में राम और शरद कोठारी राम जन्मभूमि मंदिर आंदोलन के लिए शहीद माने गए। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों की बहन पूर्णिमा कोठारी को 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए निमंत्रण भेजा गया है। कोठारी बंधुओं की बहन ने कहा, 33 साल के बाद उनके पास पहली बार खुशी का मौका आया है। उन्होंने कहा कि भाइयों के बलिदान के बाद मंदिर के लिए 33 वर्षों तक इंतजार करना पड़ा, लेकिन वे बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा कि भाइयों के साथ जो हुआ, उसे भुला नहीं पाई हैं, लेकिन आज आंखों के सामने भव्य राम मंदिर साकार होने की खुशी है। पूर्णिमा बताती हैं कि उनके जीवन में एक समय ऐसा भी आया जब उन्होंने सारी उम्मीदें खो दीं। हालांकि, आज भाइयों के बलिदान को उचित सम्मान मिलता देखकर उन्हें काफी खुशी और गर्व का एहसास हो रहा है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले लगता था कि भाइयों का बलिदान बेकार गया। एक समय भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाए गए। समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान का जिक्र करते हुए पूर्णिमा कोठारी ने कहा कि एक समय राम भक्तों को अराजक माना जाता था, लेकिन आज देश का माहौल बहुत अच्छा है। उन्होंने कहा कि पुलिस को अगर गोलियां चलानी थीं, तो पैर में भी गोली मारी जा सकती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन सीएम मुलायम सिंह यादव ने पुलिस को गोली चलाने का आदेश राजनीतिक फायदे के लिए दिया। उन्होंने कहा कि बाद में मुलायम ने घटना / फैसले पर अफसोस भी जाहिर किया, लेकिन इससे उन्हें कुछ हासिल नहीं हुआ। विपक्षी दलों के नेता 22 जनवरी की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल नहीं हो रहे हैं। इस पर पूर्णिमा ने कहा, राम मंदिर की तरफ से आमंत्रित किए जाने के बाद भी नहीं आने का फैसला करना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लाखों लोगों को अयोध्या न पहुंच पाने का अफसोस हो रहा है। कई ऐसे लोग भी हैं जो केवल अयोध्या में मौजूद होने को लेकर आनंदित हैं, भले ही वे प्राण प्रतिष्ठा के प्रत्यक्ष साक्षी नहीं बन पा रहे हैं। विपक्षी राजनीतिक दलों के नेता सबकुछ सियासी चश्मे से देख रहे हैं।

सीएम की सख्ती के बाद 194 अस्पतालों को नोटिस, आयुष्मान कार्डधारकों से बिल वसूलने पर होगी कार्रवाई

बरेली में आयुष्मान कार्ड होने पर भी मरीजों से इलाज का खर्च वसूलने और एक दिन भर्ती होने पर ही मरीजों का भारी-भरकम बिल बनाने की पुष्टि पर अब कड़ी कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का रुख भांपकर सीएमओ ने बृहस्पतिवार को जिले के 194 निजी अस्पतालों को नोटिस जारी किया है। बुधवार को मंडलीय समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री के सामने जनप्रतिनिधियों ने निजी अस्पतालों की मनमानी की पोल खोली थी। इसमें छोटी सी तकलीफ, चोट लगने पर भी मरीजों को जबरन भर्ती करने, भारी-भरकम बिल बनाने, आयुष्मान कार्ड के बावजूद इलाज का खर्च वसूलने, एडवांस भुगतान लिए बिना इलाज नहीं करने की शिकायतें की थीं। सीएम ने सीएमओ को इन गतिविधियों पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए थे। सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह ने पंजीकृत निजी अस्पतालों को नोटिस जारी कर रेटलिस्ट चस्पा करने, पर्चे पर आयुष्मान लाभार्थी की मुहर लगाने के लिए कहा है। साथ ही, किसी अस्पताल की शिकायत मिलने और जांच में पुष्टि होने पर कार्रवाई की चेतावनी दी है। सीएमओ ने बताया कि सप्ताहभर का समय अस्पतालों को दिया गया है। इसके बाद जांच कराई जाएगी। इसमें निर्देशों का उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई होगी।

आरटीपीसीआर जांच के लिए मांगा बजट

मुख्यमंत्री ने जिले में आरटीपीसीआर जांच शुरू करने के निर्देश दिए थे। बृहस्पतिवार को सीएमओ ने जांच के लिए जरूरी किट की खरीदारी के लिए शासन को रिमाइंडर भेजकर बजट मांगा है। बताया कि किट न होने से जांच प्रक्रिया ठप है।

मलेरिया की रोकथाम के लिए दिशा-निर्देश जारी

जिले में इस साल मलेरिया और डेंगू के बेकाबू होने की जानकारी पर मुख्यमंत्री ने अभी से ही रोकथाम की तैयारी के निर्देश दिए हैं।

सीएमओ ने मलेरिया विभाग समेत पंचायती राज विभाग, कृषि विभाग, उद्यान विभाग और नगर निगम को फॉगिंग कराने व जांच के लिए कहा है।

मनी लॉन्ड्रिं ग मामले में ईडी के सामने पेश हुए कार्ति चिदंबरम, 50 लाख रुपये की हेराफे री का आरोप

चीन के नागरिकों को 2011 में वीजा जारी करने से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए शुक्रवार को ईडी के सामने पेश हुए। गौरतलब है कि एक महीने से भी कम समय में उनकी तीसरी पेशी थी। इस मामले में पिछले साल 23 दिसंबर और दो जनवरी को पूछताछ की गई थी। ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम(पीएमएलए) के तहत उनका बयान दर्ज किया था। शुक्रवार को कार्ति चिदंबरम सुबह तीसरी बार दिल्ली स्थित प्रवर्तन निदेशालय के मुख्यालय पहुंचे थे। कार्ति चिदंबरम ने मामले में मिले समन को एक नियमित प्रतिक्रिया बताया था। गौरतलब है कि पीएमएलए के प्रावधानों के तहत दर्ज किया गया मनी लॉन्ड्रिंग मामला सीबीआई की एफआईआर से सामने आया था। सीबीआई की दर्ज एफआईआर में जांच वेदांत समूह की कंपनी टीएसपीएल के एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा कार्ति और उनके करीबी सहयोगी एस भास्कररमन को रिश्वत के तौर पर 50 लाख रुपये दिए जाने के आरोपों से संबंध हैं, जो पंजाब में एक बिजली संयंत्र स्थापित कर रही थी। सीबीआई के मुताबिक बिजली परियोजना लगाने का काम चीन की एक कंपनी द्वारा किया जा रहा था। टीएसपीएल के कार्यकारी ने 263 चीनी श्रमिकों के लिए प्रोजेक्ट वीजा फिर से जारी करने की मांग की थी, जिसके लिए 50 लाख रुपये का लेन-देन हुआ था।

भारत और जापान के तटरक्षकों ने किया संयुक्त अभ्यास, समुद्री चुनौतियों से निपटने पर जोर

भारत और जापान की तटरक्षकों ने युद्ध में आपसी सामंजस्य और मुश्किल में फंसे जहाज चालक दल को बचाने के लिए एक संयुक्त अभ्यास किया। बंगाल की खाड़ी में 'सहयोग काइजिंन' संयुक्त अभ्यास में उपकरणों से लैस आईसीजीएस शौर्य और जेसीजीएस याशिमा ने एक चालक दल के जहाज को बचाने का अभ्यास किया। जहाज अभ्यास में तेज गश्ती बचाव अभियान शुरू करने के लिए आगे बढ़े। संयुक्त अभ्यास में आईसीजीएस शौनक, आईसीजीएस सुजय और आईसीजीएस समुद्र पहरेदार और दो चेतक हेलीकॉप्टर भी शामिल थे। इस दौरान दोनों देशों की तटरक्षकों ने समुद्री गश्त के दौरान आने वाली समस्याओं से निपटने के लिए संयुक्त अभ्यास किया है। गौरतलब है कि आईसीजीएस शौर्य और जेसीजीएस याशिमा आठ जनवरी से शुरु हुए संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास में शामिल हुए थे। इस दौरान समुद्री प्रदूषण से निपटने के लिए भी प्रशिक्षण दिए गए। संयुक्त अभ्यास की समीक्षा तटरक्षक क्षेत्र (पूर्व) के कमांडर महानिरीक्षक डॉनी माइकल ने की। वहीं कमांडिंग ऑफिसर कैप्टन युइची मोटोयामा ने द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए आईजी के साथ बैठक की । आईजी डॉनी माइकल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मानवीय और पर्यावरणीय से जुड़ी कार्रवाई पर ध्यान केंद्रित करते हैं। दोनों नौसेना ने एक-दूसरे के साथ अनुभव को साझा किया। कैप्टन युइची मोतोयामा ने कहा कि संयुक्त अभ्यास ने दिखा दिया है कि दोनों देशों के बीच सहयोग मजबूत हुए हैं। मैंने करीब से दोनों देशों की नौसेना के हौसले को करीब से देखा है।

दिल्ली से श्रद्धालु नहीं जा पाएंगे अयोध्या, रेलवे ने 22 जनवरी तक इसलिए रद्द की ये एक्सप्रेस

दिल्ली से अयोध्या जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए बुरी खबर है। भारतीय रेलवे ने अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन से आनंद विहार टर्मिनल के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को 22 जनवरी तक कैंसिल कर दिया है। इस ट्रेन को ट्रैक मेंटेनेंस की वजह से रद्द किया है। हाल ही में 30 दिसंबर को को पीएम नरेंद्र मोदी ने अयोध्या-आनंद विहार वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई थी। यह ट्रेन 4 जनवरी से नियमित रूप से चलने लगी थी। लेकिन पटरियों के मरम्मत का कार्य चलने की वजह से इसे पहले सात जनवरी से 15 जनवरी तक कैंसिल किया गया। आईआरसीटीसी के एप पर अब यह ट्रेन 22 जनवरी तक कैंसिल दिखाई दे रही है। हालांकि, नॉर्दन रेलवे के सीपीआरओ का कहना है कि उनके पास अभी वंदे भारत के 15 जनवरी तक ही रद्द होने की सूचना है। अयोध्या-आनंद विहार वंदे भारत एक्सप्रेस अयोध्या कैंट और आनंद विहार टर्मिनल के बीच की 629 किलोमीटर की दूरी यह ट्रेन करीब 8:20 घंटे में तय करती है। यह इस रूट की सबसे तेज़ ट्रेन है। इस रूट पर चलने वाली अयोध्या एक्सप्रेस को यह दूरी तय करने में 10:55 घंटे, तो कैफियत एक्सप्रेस को 11:15 घंटे लगते हैं। यह ट्रेन सप्ताह में छह दिन चलती है। बुधवार को इसका परिचालन बंद रहता है। इस ट्रेन को बीच में सिर्फ दो स्टेशनों, कानपुर सेंट्रल और लखनऊ में ठहराव दिया गया है। आनंद विहार टर्मिनल-अयोध्या कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस में आनंद विहार से अयोध्या कैंट का चेयरकार का किराया 1625 रुपये है। एक्जीक्यूटिव चेयर कार का किराया 2965 रुपये है। कानपुर सेंट्रल से अयोध्या कैंट तक का चेयरकार का किराया रेलवे की ओर से 835 रुपये निर्धारित किया गया है। कानपुर सेंट्रल से अयोध्या कैंट का एक्जीक्यूटिव चेयर कार का किराया 1440 रुपए है।

सम्पादकीय

खत्म हुआ सस्पेंस

महाराष्ट्र में स्पीकर ने विधायकों की अयोग्यता मामले में फैसला सुना दिया है। इस मामले में शिंदे गुट को राहत मिली है। स्पीकर मे कहा कि शिंदे की अगुआई वाली पार्टी ही असली शिवसेना है। हालांकि उद्धव गुट ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की घोषणा की है। महाराष्ट्र में स्पीकर राहुल नार्वेकर ने बुधवार को विधायकों की अयोग्यता से जुड़े मामले में अपना फैसला दे दिया। राजनीतिक रूप से मामला संवेदनशील था। इसलिए विधानसभा के सेंट्रल हॉल में सुनाए गए फैसले का सीधा प्रसारण किया गया। इससे इस निर्णय के तार्किक आधारों को लोगों तक पहुंचाने में थोड़ी मदद भले ही मिली हो, लेकिन शिवसेना (उद्धव गुट) ने अस्वीकार करते हुए इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की घोषणा करने में देर नहीं की।

राज्य सरकार पर असर : स्पीकर के फैसले का पहला नतीजा यह हुआ कि महाराष्ट्र के शिंदे मंत्रिमंडल के भविष्य को लेकर चल रही तमाम अटकलों पर विराम लग गया। स्पीकर ने कहा कि शिंदे की अगुआई वाली पार्टी ही असली शिवसेना है। लिहाजा व्हिप के उल्लंघन, शिंदे और अन्य विधायकों की अयोग्यता से जुड़ी मांग भी खारिज हो गई। ऐसे में शिंदे के मुख्यमंत्रित्व को लेकर उठ रहे सवाल भी कम से कम फिलहाल के लिए समाप्त हो गए।

विवाद जारी रहेगा : मगर शिवसेना में विभाजन से जुड़े इस राजनीतिक विवाद का निपटना अभी बाकी है। इसका पहला सबूत तो उसी समय मिल गया था, जब फैसला आने से पहले ही शिवसेना (उद्धव गुट) यह कहते हुए सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई कि स्पीकर का मुख्यमंत्री से मिलना बताता है कि उनका फैसला निष्पक्ष नहीं होगा। फैसला आने के बाद भी इसे चुनौती देने की बात दोहराई गई। इससे स्पष्ट हो गया कि इस मामले पर परदा नहीं गिरा है और आगे सुप्रीम कोर्ट में दलीलें रखी जा सकती हैं।

जनता की अदालत : चूंकि लोकसभा चुनावों के साथ ही महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव भी इसी साल होने हैं, इसलिए इन तमाम वाद-विवाद की तार्किक परिणति आम जनता की अदालत में लोगों के वोट से ही होनी है। शिवसेना में विभाजन के बाद कौन सा धड़ा असली है, यह वास्तव में एक राजनीतिक सवाल है। इसलिए इसका निपटारा लोगों की अदालत में ही हो सकता है। जाहिर है, वही पार्टी असली मानी जाएगी जिसे महाराष्ट्र की जनता असली पार्टी मानेगी। यह बात चुनावों में वोटिंग मशीन के जरिए ही सामने आएगी।

NCP का मसला : शिवसेना के बाद NCP भी विभाजन से गुजरी और उसका भी एक धड़ा अलग होकर मौजूदा सरकार का हिस्सा बना। वहां भी शरद पवार की अगुआई वाला हिस्सा खुद को मूल पार्टी बताते हुए इन विधायकों की अयोग्यता का सवाल उठा रहा है। जाहिर है, पक्ष-विपक्ष में सुनाए जाने वाले फैसले के बाद वह मामला भी आखिरी तौर पर चुनाव नतीजों से ही निपटेगा।

नजरें चुनाव पर : ऐसे में स्वाभाविक ही सबकी नजरें इस बात पर जमी हैं कि महाराष्ट्र में तमाम राजनीतिक धड़े चुनावी तैयारियों को कितने असरदार ढंग से अंजाम दे पा रहे हैं।

यूं ही लक्षद्वीप की यात्रा पर नहीं गए पीएम, जानें कैसे सोचा-समझा है ये कदम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लक्षद्वीप की यात्रा जिस तरह चर्चा का विषय बनी है, उसकी कल्पना शायद ही किसी ने की होगी। प्रधानमंत्री की स्नौर्कलिंग वाली तस्वीरों को लेकर नेगेटिव कॉमेंट करने और मजाक उड़ाने वालों को अफसोस हो रहा होगा। मालदीव के तीन मंत्रियों की टिप्पणियों और उन पर हो रही कार्रवाइयों से उन्हें अहसास हुआ होगा कि यह समुद्र के अंदर एडवेंचर का आनंद लेने की कोशिश नहीं, व्यापक आयामों वाली कार्रवाई थी।

सोचा-समझा कदम : स्नौर्कलिंग एक एडवेंचर एक्टिविटी है, जिसमें समुद्र की सतह पर तैरते हुए उसके नीचे के समुद्री जीवन का पता लगाते हैं। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी न तो छुट्टियां मनाने गए थे, न स्नौर्कलिंग सीखने। उन्हें पता था कि अगर वहां स्नौर्कलिंग करेंगे और उसकी तस्वीरें जारी होंगी तो भारत सहित संपूर्ण विश्व का इस ओर ध्यान जाएगा। खासकर, उनका जो एडवेंचर के लिए ऐसी जगहों की तलाश में रहते हैं। भारत के कई समुद्र तट और द्वीपसमूह इसके अनुकूल हैं, लेकिन लोगों को इसकी जानकारी नहीं है। इनमें से कुछ जगहों पर जरूरी मूलभूत संरचना का भी अभाव है।

मोदी का मकसद : प्रधानमंत्री ने लिखा, 'जो लोग रोमांचकारी अनुभव लेना चाहते हैं, लक्षद्वीप उनकी सूची में जरूर होना चाहिए। मेरे प्रवास के दौरान, मैंने स्नॉर्कलिंग की भी कोशिश की, यह कितना उत्साहजनक अनुभव था!' इसके बाद गूगल और अन्य माध्यमों से लक्षद्वीप के बारे में जानकारी लेने वालों की संख्या अचानक बढ़ गई। प्रधानमंत्री मोदी का यही मूल लक्ष्य रहा होगा। इसी कारण मालदीव को भी परेशानी हुई क्योंकि प्रधानमंत्री की पोस्ट में लक्षदीप के साफ नीले पानी, आसमान और रेतीले तटों वाली सुंदर तस्वीरें मालदीव के द्वीपों जैसी ही हैं।

तीर्थों का कायाकल्प : प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कार्यकाल में भारत के प्रमुख आध्यात्मिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन योग्य स्थानों को इसी तरह प्रचारित करने की कोशिश की है। उन्होंने विदेशी नेताओं को भी उन स्थानों पर ले जाकर कार्यक्रम किए हैं जिनकी लाइव तस्वीरें दुनिया भर में गईं।

कामयाबी मिली : गुजरात का मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने गिर के जंगल के शेरों और सफेद रेतों की जैसी मार्केटिंग की, उसके कारण वहां जाने वाले पर्यटकों की संख्या अद्भुत रूप से बढ़ी। वाराणसी, प्रयागराज, केदारनाथ, उज्जैन महाकाल, बदरीनाथ आदि का कायाकल्प मोदी के ही काल में हुआ है। मोदी धीरे-धीरे भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए तीर्थस्थलों, पर्यटन स्थलों, स्थानीय उत्पादों को इसी तरह प्रमोट करते हैं। उसका असर भी दिख रहा है।

वाराणसी से अयोध्या तक : आंकड़े बताते हैं कि वाराणसी आने वाले लोगों की संख्या गोवा जाने वाले लोगों की संख्या से 2022 में 10 गुना अधिक थी। अभी अयोध्या में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होने के पहले पूरे क्षेत्र का बदला चरित्र कोई भी देख सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर के हवाई अड्डे से लेकर स्टेशन, होटल, तीर्थ यात्रियों के लिए सेवाएं आदि से अयोध्या की वर्तमान और भावी तस्वीर स्पष्ट हो रही है। अयोध्या में प्रधानमंत्री के रोड शो का अगर राजनीतिक पहलू था भी तो पूरे विश्व में संदेश गया कि वहां की सड़कें इतनी चौड़ी हो गई हैं, जहां बड़ी गाड़ियां चल सकती हैं।

लक्षद्वीप का प्रचार : प्रधानमंत्री ने अब लक्षद्वीप को भी स्नौर्कलिंग और समुद्री पर्यटन की दृष्टि से विश्व के शीर्ष पर्यटन स्थल पर लाने की रणनीति प्रदर्शित कर दी है। उनकी एक पंक्ति देखिए 'हाल ही में मुझे लक्षद्वीप के लोगों के बीच रहने का अवसर मिला। प्राकृतिक सुंदरता के अलावा, लक्षद्वीप की शांति भी मंत्रमुग्ध कर देने वाली है।' अगर प्रधानमंत्री बिना अपनी गतिविधियों की तस्वीरों के लिखते तो उसका उतना प्रभाव नहीं पड़ता।

गैर-वाजिब प्रतिक्रिया : मालदीव के मंत्रियों को इसी कारण परेशानी हुई और उन्होंने बिना सोचे-समझे भारत के पर्यटन स्थलों, होटलों ,सफाई व्यवस्था आदि की आलोचना शुरू कर दी।

मालदीव के राष्ट्रपति मोइज्जू का चीन के प्रभाव में भारत विरोधी रवैया अपनाना आम देशवासियों को उत्तेजित कर रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री के स्तर से उस रूप में उनका जवाब देना अंतरराष्ट्रीय राजनय और दूरगामी दृष्टि से अनुचित होता।

माकूल जवाब : बगैर कुछ कहे और बगैर मालदीव का नाम लिए प्रधानमंत्री की इस छोटी कोशिश ने कैसा प्रभाव डाला है, उसे देखने के बाद मानना पड़ेगा कि नरेंद्र मोदी शांत रहते हुए ज्यादा गहरी सोचते हैं और योजना बनाकर जमीन पर उतारने के लिए स्वयं साहस के साथ आगे आते हैं।

तीर्थों का प्रचार : डुबकी लगाकर बाहर निकलती उनकी तस्वीरों ने करोड़ों लोगों को संगम और गंगा स्नान की ओर आकर्षित किया। केदारनाथ की गुफा में बैठकर ध्यान लगाने की उनकी तस्वीर ने शांति की चाहत रखने वालों को आकर्षित किया।

बदल रही है तस्वीर : ऐसा कोई काम प्रधानमंत्री अचानक नहीं करते। पहले क्षेत्र का सर्वेक्षण करके योजना बनाई जाती है। फिर उसे जमीन पर उतारने की जरूरी तैयारियां होती हैं और तब जाकर प्रधानमंत्री उसे सार्वजनिक करते हैं।

बुनियादी सुविधाएं : लक्षद्वीप में भी केंद्र सरकार स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर आधारभूत सुविधाएं विकसित करने के लिए लगातार काम करती रही है। मास्टर प्लान ऐसा है, जिससे लक्षद्वीप की तस्वीर बदल जाएगी। अभी होटल में केवल 150 कमरे और होम स्टे में 300 कमरे ही उपलब्ध हैं। समुद्र तट को नए सिरे से तैयार किया गया है, जिनमें 370 वॉटर विला बने हैं। 36 द्वीपों में से 11 पर ही लोगों का वास है।

पर्यटन अर्थव्यवस्था : लक्षद्वीप की लगभग 65 हजार की आबादी में 95 प्रतिशत आदिवासी हैं। आदिवासियों का जीवन यापन नारियल के पेड़ और पर्यटन से ही चलता है। उन पेड़ों को बचाने और पर्यटन को बढ़ावा देने के अलावा विकास का दूसरा आधार नहीं हो सकता। इस तरह प्रधानमंत्री की छोटी सी यात्रा ने लक्षदीप के भाग्य बदलने का ठोस आधार बनाया है और भारत के ऐसे सभी क्षेत्रों के लिए उम्मीद जगाई है, जो अभी तक संभावनाओं के अनुरूप विकास से वंचित हैं।

होटल में एक जोड़े के साथ मारपीट मामले पर NCW का DGP को खत, जानिए क्या बोलीं रेखा शर्मा

कर्नाटक के हावेरी में एक होटल के भीतर घुसकर एक जोड़े के साथ बदसलूकी का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस घटना के बाद से ही राजनीतिक दलों ने सिद्धारमैया सरकार पर गंभीर आरोप लगाए है। गौरतलब है कि एक जोड़े के साथ मारपीट और बदसलूकी का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया है। जिसके बाद से ही कर्नाटक सरकार को आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। इसी बीच, मामले को लेकर राष्ट्रीय महिला आयोग(एनसीडब्ल्यू) ने कड़ा रूख अपनाया है। महिला आयोग ने कर्नाटक के डीजीपी से मामले पर कड़ी कार्रवाई करने को कहा है। साथ ही आयोग ने कहा कि कानून के कड़े प्रावधानों को लगाते हुए इस मामले पर प्राथमिकी दर्ज की जाए। राष्ट्रीय महिला आयोग(एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने कहा कि अगर तीन दिनों के भीतर इस पर कोई कार्रवाई नहीं होती है या कोई जवाब नहीं मिलता है तो आयोग की एक टीम कर्नाटक का दौरा करेगी। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने कहा कि कर्नाटक के हावेरी में होटल के कमरे के घुसकर एक जोड़े के साथ मारपीट की गई, साथ ही छह दोषियों ने महिला के साथ दुष्कर्म किया है। कर्नाटक के डीजीपी को लिखे पत्र में महिला आयोग ने कहा कि इस तरह की घटनाएं डराने वाली हैं, आयोग ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। पत्र में एनसीडब्ल्यू ने कहा कि इस पर कानूनी प्रावधानों के मुताबिक कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही कहा कि इस घटना की जांच निष्पक्ष और समय पर पूरी होनी चाहिए।

घटना के संबंध में हावेरी पुलिस अधीक्षक ने कहा था कि एक जोड़े के साथ मारपीट के वीडियो के बारे में मीडिया रिपोर्ट के जरिए पता चला। मामले में उचित धारा के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस घटना से जुड़े दो लोगों को गिरफ्तार किया गया, जांच जारी है। वहीं कर्नाटक भाजपा नेता सीटी रवि ने कहा कि इस तरह के मामले पर तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए।

शिवम के उम्दा खेल से भारत का जीत से आगाज

पहले टी-20 में अफगानिस्तान को 6 विकेट से हराया

ोहाली। मोहाली में पहले टी-20 च में भारत ने अफगानिस्तान को 6 केट से हरा दिया। भारत ने 159 नों का लक्ष्य 17.3 ओवर में प्राप्त कर या। भारत के लिए शिवम दुबे ने 0 रन बनाए। रिंकू सिंह ने 16 रन ोड़े। शिवम ने गेंदबाजी में भी लवा बिखेरा। उन्होंने 1 विकेट या। भारत ने इस जीत के साथ ीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली। क्षर व मुकेश ने 2-2 विकेट ए। यह जून में होने वाले टी20 श्व कप से पहले टीम इंडिया की ाखिरी टी20 सीरीज है। वहीं, इस ीरीज के लिए कप्तान रोहित शर्मा ौर विराट कोहली की भी टी20 ोम में वापसी हुई है। विराट निजी ारणों से पहला मुकाबला नहीं ेल रहे हैं। वहीं अफगानिस्तान के टार स्पिनर राशिद खान चोट की जह से पूरी सीरीज से बाहर हो ुके हैं। भारत ने टॉस जीतकर पहले ंदबाजी करने का फैसला किया ौर अफगानिस्तान ने पहले ल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट ोकर 158 रन बनाए। भारत को 159 रन का लक्ष्य मिला। अफगानिस्तान के लिए सबसे ज्यादा 42 रन मोहम्मद नबी ने बनाए। उनके अलावा अजमतुल्लाह ओमरजई ने 29 रन की पारी खेली। गुरबाज ने 23 और कप्तान जादरान ने 29 रन बनाए। नजीबुल्लाह ने अंत में 19 रन की पारी खेल। टीम का स्कोर 150 रन के पार पहुंचाया। भारत के लिए मुकेश कुमार और अक्षर पटेल ने दो.दो विकेट लिए। शिवम दुबे को एक विकेट मिला। 130 रन पर अफगानिस्तान की आधी टीम पवेलियन लौट चुकी थी। मोहम्मद नबी 27 गेंद में 42 रन बनाकर आउट हुए। मुकेश कुमार ने उन्हें रिंकू सिंह के हाथों कैचच कराया। अब नजीबुल्लाह जादरान के साथ करीम जनत क्रीज पर हैं। यहां से अफगानिस्तान के लिए 150 रन तक पहुंचना मुश्किल होगा। 19 ओवर के बाद अफगानिस्तान का स्कोर 143ध्5 है। 125 रन पर आफगानिस्तान का चौथा विकेट गिरा है। मुकेश कुमार ने अजमतुल्लाह ओमरजई को क्लीन बोल्ड किया। ओमरजई ने 22 गेंद में 29 रन बनाए। अब मोहम्मद नबी के साथ नजीबुल्लाह क्रीज पर हैं। 18 ओवर के बाद अफगानिस्तान का स्कोर 130-5 है।वहीं अफगानिस्तान की पारी तीन मिनट की देरी से शुरू हुई। दरअसल जैसे ही अफगानिस्तान के ओपनर्स इब्राहिम जादरान और रहमनुल्लाह गुरबाज बल्लेबाजी के लिए आए साइट स्क्रीन में एक जगह कुछ गड़बड़ी नजर आई। जिसे टेप और कपड़ा लगाकर बंद किया गया। इस वजह से मैच शुरू होने में तीन मिनट की देरी हुई। पहले ओवर में अर्शदीप सिंह ने गेंदबाजी की और मेडन ओवर फेंका।

कोहली, रोहित की मौजूदगी से मजबूती मिलेगी: रैना

बेंगलुरु। पूर्व भारतीय आल राउंडर सुरेश रैना ने विश्व कप को देखते हुए अनुभवी रोहित शर्मा और विराट कोहली को अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए राष्ट्रीय टीम में शामिल करने को गुरुवार को समझदारी भरा फैसला करार दिया। रोहित और कोहली की 14 महीने बाद भारत की टी20 टीम में वापसी हुई है। रैना ने कहा कि उनकी मौजूदगी से टीम को मजबूती मिलेगी। रैना जियो सिनेमा और स्पोर्ट्स18 में विशेषज्ञ हैं, उन्होंने कहा, अगर आप विश्व कप के अमेरिका और वेस्टइंडीज में स्टेडियम को देखो तो विकेट थोड़ा पेचीदा होगा। भारत को वहां पर रोहित और कोहली के अनुभव की जरूरत होगी। कोहली टी20 क्रिकेट में 12,000 रन बनाने के करीब हैं। इसलिए इनकी मौजूदगी से भारत की बल्लेबाजी मजबूत होगी और भारत की टी20 विश्व कप में जीतने की संभावना भी निश्चित रूप से बेहतर होगी। वनडे विश्व कप में उनकी फॉर्म बहुत अच्छी थी और बतौर कप्तान रोहित की मौजूदगी से ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों का जज्बा मजबूत होता है। रैना की राय में कोहली को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करानी चाहिए और पारी का आगाज करने की जिम्मेदारी रोहित और यशस्वी जायसवाल की होनी चाहिए। मुझे लगता है कि कोहली को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। उसके अनुभव से मजबूती मिलेगी विशेषकर अमेरिका और वेस्टइंडीज की चुनौतीपूर्ण पिचों पर। टीम में युवा और निर्भीक क्रिकेटर जैसे जायसवाल, रिंकू सिंह या शुभमन गिल मौजूद हैं लेकिन रोहित और कोहली बल्लेबाजी इकाई को मजबूती देंगे। उनका यह भी मानना है कि विश्व कप जैसे दबाव भरे टूर्नामेंट में जब टीम लक्ष्य का पीछा करेगी तो भी उनकी मौजूदगी अहम साबित होगी। भारत की 2007 और 2011 विश्व कप जीत में टीम का हिस्सा रहे रैना ने रिंकू की प्रगति पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा, रिंकू को जो भी मौके मिले हैं, उसने उसमें काफी अच्छा किया है, उसने बतौर फिनिशर भी काफी सूझबूझ का परिचय दिया है। वह निर्भीक क्रिकेटर है। उसका रहना महत्वपूर्ण है और अगर ऋषभ पंत विश्व कप के लिए समय रहते फिट हो जाते हैं तो टीम के पास एक और मैच विजेता होगा। रैना ने विकेटकीपर बल्लेबाज के लिए संजू सैमसन को अपनी पहली पसंद बताते हुए उन्हें एक्स फैक्टर करार दिया। इस 37 साल के पूर्व क्रिकेटर ने कहा, संजू ने हाल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार शतक जड़ा। उसमें निश्चित रूप से कप्तानी के गुण है क्योंकि जब भी वह मैदान में होता है तो वह हमेशा सोचता रहता है।

टी20 टीम में विराट के चयन से हैरान नही हूं : डिविलियर्स

गक्बेरहा। दक्षिण अप्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स अपने दोस्त विराट कोहली के टी20 विश्व कप मे खेलने की संभावना से तनिक भी हैरान नही है और उनका कहना है कि विराट ने अपने अंतरराष्ट्रीय कैरियर का प्रबंधन बखूबी किया है। कोहली ने आखिरी टी20 नवंबर 2022 मे इंग्लैड के खिलाफ टी20 विश्व कप सेमीफाइनल मे खेला था। उन्होने अफग्गानिस्तान के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए वापसी की है और आखिरी दो मैच खेलेगे। डिविलियर्स ने यहां चुनिंदा पत्रकारो के साथ बातचीत के दौरान पीटीआई से कहा , मै बिल्कुल भी हैरान नही हूं। मै विराट और रोहित के लिए बहुत खुश हूं। आप टी20 विश्व कप मे अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम भेजकर जीतना चाहते है। यहां दक्षिण अप्रीका टी20 लीग मे कमेंटेटर की भूमिका मे मौजूद डिविलियर्स ने कहा , मै समझ सकता हूं कि आलोचना हो रही है क्योकि युवाओ और उन खिलाड़ियो का मौका छिन गया है जो लगातार टी20 खेल रहे है। उनका मानना है कि रोहित और विराट भारत की सर्वश्रेष्ठ टी20 टीम का हिस्सा है और उन्हे विश्व कप टीम मे जगह देने का फैसला सही है। अपने कैरियर के आखिर मे मेरी स्थिति भी ऐसी ही थी। मेरे साथ ऐसा नही हुआ लेकिन विराट और रोहित को मौका मिला है और यह सही फैसला है।

क्वालीफायर से पेरिस ओलंपिक का टिकट कटाएंगे : शॉपमैन

रांची। भारतीय महिला हॉकी टीम की मुख्य कोच यानेके शॉपमैन ने बृहस्पतिवार को स्वीकार किया कि उनकी टीम ने हांगझोउ एशियाई खेलों के जरिए पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का मौका गंवा दिया लेकिन अब उन्हें यकीन है कि शनिवार से शुरू हो रहे ओलंपिक क्वालीफायर के जरिए वह पेरिस का टिकट कटाएंगे। पिछले साल हांगझोउ एशियाई खेलों के जरिए सीधे ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने से चूकी भारतीय टीम यहां क्वालीफाइंग टूर्नामेंट खेलेगी। यहां 13 से 19 जनवरी तक होने वाले क्वालीफायर में भाग ले रही आठ में से शीर्ष तीन टीमें पेरिस ओलंपिक खेलेंगी। शॉपमैन ने कहा , हम एशियाई खेलों में चूक गए लेकिन अतीत को भुलाकर यहां अच्छा खेलेंगे। हमें पहले से बेहतर खेलना होगा और ऐसा करने पर ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर सकते हैं। भारत पूल बी में अमेरिका के खिलाफ शनिवार को अपने अभियान का आगाज करेगा। इसके बाद 14 जनवरी को न्यूजीलैंड और 16 जनवरी को इटली से खेलना है। नॉकआउट मैच 18 और 19 जनवरी को होंगे। अमेरिका खतरनाक टीम है। हमने उनके खिलाफ खेला है।

सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल में, श्रीकांत हारे

मलेशिया ओपन बैडमिंटन

भारतके सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में बृहस्पतिवार को पुरूष युगल क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए जबकि किदाम्बी श्रीकांत दूसरे दौर में हारकर बाहर हो गए। दुनिया की दूसरे नंबर की जोड़ी सात्विक और चिराग ने फ्रांस के 36वीं रैंकिंग वाले लुकास कोरवी और रोनान लबार को 21-11, 21-18 से हराया। पिछले साल छह खिताब जीतने वाली भारतीय जोड़ी का सामना अब चीन के ही जि तिंग और रेन शियांग यू से होगा। पिछले महीने गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 खिताब जीतने वाली अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी ने वकाना नागाहारा और मायु मात्सुमोतो की जापान की सातवीं वरीय जोड़ी को 21-19, 13-21, 21-15 से हराकर उलटफेर किया और पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का अपना दावा मजबूत किया। वहीं श्रीकांत अपनी गलतियों पर काबू नहीं रख सके और हांगकांग के एंग का लोंग एंगस से दूसरे दौर में सीधे गेम में हार गए। कई सहज गलतियों और गलत लाइन कॉल के कारण विश्व रैंकिंग में 24वें स्थान पर काबिज श्रीकांत को दुनिया के 20वें नंबर से खिलाड़ी का लोंग से 13-21, 17-21 से पराजय झेलनी पड़ी। एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सात्विक और चिराग ने आक्रामक खेल दिखाते हुए पहले ही गेम में 11 - 2 की बढ़त बना ली। फ्रांसीसी जोड़ी ने हालांकि स्कोर 12-14 कर दिया। भारतीय जोड़ी का अनुभव यहां काम आया जिसने लगातार सात अंक के साथ पहला गेम जीता। दूसरे गेम में 4-11 से पिछड़ने के बाद सात्विक और चिराग ने जबर्दस्त वापसी करते हुए 16-16 से बराबरी की। इसके बाद अपने प्रतिद्वंद्वी की गलतियों का फायदा उठाकर उन्होंने चार मैच प्वाइंट के साथ गेम और मैच जीता। उधर श्रीकांत की शुरूआत अच्छी रही और एक समय वह 6-1 से आगे चल रहे थे लेकिन फिर उन्होंने गलतियां करनी शुरू की और का लोंग ने लगातार छह अंक लेकर वापसी की।

अमन सेहरावत ने जगरेब ओपन में स्वर्ण जीता

जगरेब। भारतीय पहलवान अमन सेहरावत ने जगरेब ओपन रैंकिंग सीरिज टूर्नामेंट में चीन के दुनिया के सातवें नंबर के पहलवान वान्हाओ जोउ को 10-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। सेहरावत ने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत दर्ज की। पिछले कुछ समय से विवादों से जूझ रहे भारतीय कुश्ती जगत के लिए यह अच्छी खबर रही। भारतीय दल यहां यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) के बैनर में खेल रहा है क्योंकि समय पर चुनाव नहीं कराने के कारण भारतीय कुश्ती महासंघ को पिछले साल निलंबित कर दिया गया था। 13वीं रैंकिंग वाले अमन ने तुर्किए के मुहम्मद कारावुस के खिलाफ 15-4 से जीत के साथ आगाज किया। हांगझोउ एशियाई खेलों में 57 किलोवर्ग में कांस्य पदक जीतने वाले अमन ने 19वीं रैंकिंग वाले अमेरिका के रिचर्डस जेन राए रोड्स को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 11-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। अंतिम चार में उन्होंने जॉर्जिया के रॉबर्टी डी को 11-0 से मात दी। वहीं फाइनल में जोउ को हराया। एशियाई खेलों में रजत और राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले फ्रीस्टाइल पहलवान दीपक पूनिया 86 किलोवर्ग के पदक दौड़ में जगह नहीं बना सके।

अवनि संयुक्त दूसरे स्थान पर बरकरार

मेलबर्न। भारत की अवनि प्रशांत तीसरे दौर मे लचर प्रदर्शन के बावजूद गुरुवार को यहां ऑस्ट्रेलियन मास्टर्स ऑफ एमेच्योर गोल्फ टूर्नामेंट मे संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर बरकरार है। दुनिया की 50वे नंबर की खेलाड़ी अवनि ने गुरुवार को 77 का स्कोर बनाया जिससे उनका कुल स्कोर तीन अंडर 143 है। वह तीसरे दौर के बाद बढ़त हासिल करने वाली ऑस्ट्रेलिया की लियोन हिगो से चार शॉट पीछे है। हिगो ने तीसरे दौर मे तीन अंडर 70 का स्कोर बनाया जिससे उनका कुल स्कोर सात अंडर है।

मुंबई सिटी ने वापसी करते हुए पूरे अंक जुटाए

भुवनेश्वर। मुंबई सिटी ने गुरुवार को यहां कलिंगा सुपर कप के ग्रुप सी मैच मे एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए गोकुलम केरला को 2-1 से मात दी। युवा खिलाड़ियो की मुंबई की टीम को हालांकि पूरे अंक जुटाने के लिए जूझना पड़ा। पर उसने इंजुरी टाइम मे पेनल्टी पर गोल कर जीत हासिल की। अब्देनासेर अल खयाति ने इंजुरी टाइम मे इस पेनल्टी पर गोल कर अपनी टीम को जीत दिलाई। गोकुलम केरला ने एलेक्स सांचेज की बदौलत बढ़त बनाई।

पटेल ने महिला पेशेवर गोल्फ टूर में बढ़त बनाई

पुणे। निश्ना पटेल ने गुरुवार को यहां दूसरे दौर मे पार 71 के स्कोर से 2024 महिला पेशेवर गोल्फ टूर के पहले चरण मे बढ़त बरकरार रखी है। निश्ना का दो दौर के बाद कुल स्कोर पांच अंडर 137 है और उन्होने हिताषी बक्शी पर दो शॉट की बढ़त बना रखी है। हिताषी ने दूसरे दौर मे एक अंडर 70 का स्कोर बनाकर अपने और निश्ना के बीच के अंतर को कम किया। निश्ना ने दूसरे दौर मे एक बर्डी की लेकिन एक बोगी भी कर गई जिससे उनका स्कोर इक्वन पार रहा।

बीएफआई देश भर में टैलेंट हंट कार्यक्रम आयोजित करेगा

नई दिल्ली।भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) विद्युत कंपनी आरईसी लिमिटेड के साथ मिलकर पुणे के सैन्य खेल संस्थान मे वेस्टर्न ओपन टैलेंट हंट कार्यक्रम का आयोजन करेगा। यह एलीट और युवा वर्ग की प्रतियोगिता 12 से 19 जनवरी तक होगी। बीएफआई ने पूरे देश मे पुरुष और महिला मुक्केबाजों दोनो के लिए एलीट, युवा, जूनियर और सब-जूनियर वर्गों के लिए चार ओपन शुरूआती टूर्नामेंट आयोजित करने की योजना बनाई है जिस कड़ी मे यह पहली प्रतियोगिता होगी।

हैपशर काउंटी में हिस्सा खरीद सकती है दिल्ली कैपिटल्स : रिपोर्ट

लंदन। इंडियन प्रीमियर लीग की दिल्ली कैपिटल्स टीम इंग्लिश काउंटी क्रिकेट की हैपशर टीम मे हिस्सा खरीदने के लिए बातचीत की प्रक्रिया मे है। डेली टेलिग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार हैपशर के पूर्व अध्यक्ष रॉड ब्रांसग्रोव दिल्ली कैपिटल्स के सह मालिक जीएमआर समूह को यह काउंटी टीम बेचने के अनुबंध पर हस्ताक्षर कर सकते है। रिपोर्ट मे कहा गया , हैपशर काउंटी क्रिकेट क्लब के अधिकांश शेयरो के मालिक इंडियन प्रीमियर लीग की दिल्ली कैपिटल्स टीम के सह मालिक को अपना हिस्सा बेचने के लिए आगे के दौर की बातचीत कर रहे है। अगर ऐसा होता है तो हैपशर पहली काउंटी टीम होगी जिसके मालिक विदेशी होंगे। इंग्लैड मे द हंड्रेड की बढ़ती लोकप्रियता से जीएमआर को फायदा मिलेगा और यह टीम अपने खिलाड़ियो को तैयार कर सकेगी। इंग्लैड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड द हंड्रेड की कुछ टीमो के 50 प्रतिशत अंश बेचने पर विचार कर रहा है।

बोतलबंद पानी को लेकर शोधकर्ताओं का दावा

अल्कलाइन वॉटर पीने से मूत्राशय की पथरी को नहीं रोका जा सकता

अल्कलाइन वॉटर की खपत और बिक्री में तेजी से वृद्धि

सामान्य नल के पानी की तुलना में अल्कलाइन वॉटर का पीएच लेवल 8 से 10 के बीच

न्यूयॉर्क, एक शोध से सामने आया कि अल्कलाइन वॉटर के रुप में इस्तेमाल किया जाने वाला बोतलबंद पानी बार-बार होने वाली मूत्राशय की पथरी की रोकथाम के लिए प्रभावी विकल्प नहीं है।

अल्कलाइन वॉटर, जिसे कभी-कभी उच्च पीएच वाला पानी भी कहा जाता है, बोतलबंद पानी की एक लोकप्रिय श्रेणी है। लगभग 7.5 पीएच वाले सामान्य नल के पानी की तुलना में अल्कलाइन वॉटर का पीएच लेवल 8 से 10 के बीच होता है।

हाल के वर्षों में अल्कलाइन वॉटर की खपत और बिक्री में तेजी से वृद्धि हुई है। समर्थक विभिन्न स्वास्थ्य लाभों का दावा करते हैं, जिनमें बेहतर हाइड्रेशन और बढ़ा हुआ मूत्र पीएच शामिल है। पथरी वाले मरीजों में कुछ प्रकार की मूत्र पथरी (यूरिक एसिड या सिस्टीन) को बनने से रोकने के लिए पीएच बढ़ाना एक महत्वपूर्ण रणनीति है।

पोटैशियम साइट्रेट की गोलियां आमतौर पर बार-बार होने वाली पथरी को रोकने के लिए निर्धारित की जाती हैं। हालांकि, कई मरीज़ अनुशंसित उपचार का पालन नहीं करते हैं। यदि अल्कलाइन वॉटर मूत्र पीएच बढ़ा सकता है, तो यह पथरी की रोकथाम के लिए एक आकर्षक विकल्प हो सकता है। द जर्नल ऑफ यूरोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है कि पथरी की रोकथाम के लिए अल्कलाइन वॉटर डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाओं का विकल्प नहीं हो सकता है।

कैलिफोर्निया इरविन विश्वविद्यालय के रोशन एम. पटेल ने कहा कि अल्कलाइन वॉटर उत्पादों का पीएच नियमित पानी की तुलना में अधिक होता है, उनमें अल्कलाइन की मात्रा नगण्य होती है, जिससे पता चलता है कि वे गुर्दे और अन्य मूत्र पथरी के विकास को प्रभावित करने के लिए मूत्र पीएच को पर्याप्त रूप से नहीं बढ़ा सकते हैं।

मूत्राशय की पथरी को रोकने के लिए उच्च पीएच पानी की क्षमता का आकलन करने के लिए, डॉ. पटेल की टीम ने व्यावसायिक रूप से उपलब्ध पांच अल्कलाइन वॉटर उत्पादों का पीएच मापा। उन्होंने मूत्र पीएच बढ़ाने की क्षमता वाले अन्य प्रकार के पेय और ओवर-द-काउंटर उत्पादों पर प्रकाशित आंकड़ों की भी समीक्षा की।

अध्ययन में परीक्षण किए गए पांच ब्रांडों का पीएच लगभग 10 की सीमा में समान था। एक उत्पाद में थोड़ी मात्रा में साइट्रेट था जो उत्पाद लेबल पर सूचीबद्ध नहीं था। 10 के पीएच लेवल पर किए गए परीक्षण में अल्कलाइन कटेंट केवल 0.1 मिलीइक्विवेलेंट्स (एमईक्यू/एल) प्रति लीटर होगा। यह शरीर के प्रति दिन 40 से 100 मिलीइक्विवेलेंट्स (एमईक्यू/एल) प्रति लीटर के सामान्य उत्पादन की तुलना में बहुत कम है।

इसके विपरीत कुछ अन्य उत्पादों में पीएच बढ़ाने की क्षमता होती है, विशेष रूप से संतरे के रस में 15 एमईक्यू/एल तक अल्कलाइन कटेंट होती है। प्रति दिन 30 एमईक्यू के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए संतरे के रस की अनुमानित लागत भी सबसे कम है। सोडियम सामग्री से संबंधित संभावित चिंताओं के बावजूद, बेकिंग सोडा सबसे प्रभावी और कम लागत वाले विकल्पों में से एक था। पानी में घुलनशील नए उत्पाद भी उपयोगी और किफायती विकल्प प्रदान करते दिखाई दिए।डॉ. पटेल ने कहा कि हमारे निष्कर्ष बार-बार होने वाली मूत्र पथरी को रोकने के लिए पेय पदार्थों और ओवर-द-काउंटर उत्पादों सहित अन्य उपचारों के चयन में मार्गदर्शन करने में मदद कर सकते हैं। शोधकर्ता अपने प्रयोगशाला अध्ययन की सीमाओं पर ध्यान देते हैं और मूत्र पीएच बढ़ाने के विकल्पों के नैदानिक परीक्षणों की आवश्यकता पर जोर देते हैं।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने किया एएआर-इंडामेर एमआरओ का उद्घाटन

नागपुर। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को मिहान एसईजेड में एएआर-इंडामेर के एमआरओ का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। एएआर इंदामेर अमेरिका के प्रमुख एमआरओ एएआर और देश के सबसे पुराने एमआरओ इंडामेर के बीच एक संयुक्त उद्यम है। संयुक्त उद्यम की एक अत्याधुनिक फॅसिलिटी मिहान सेज में स्थित है। यह एमआरओ का उद्घाटन मिहान एसईज़ेड को एक प्रमुख एमआरओ केंद्र के रूप में स्थापित करेगा और देश में एक मजबूत और आत्मनिर्भर एरोस्पेस पारिस्थितिकी तंत्र के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

भारत को विमानन केंद्र के रूप में स्थापित करने की मोदी सरकार की पहल के तहत, देश अब व्यापक एमआरओ सुविधाएं प्रदान करता है। पहले, यहां तक कि मामूली सुधार या एमआरओ-संबंधित कार्य के लिए भी भारतीय विमानों को पश्चिमी देशों के लिए उड़ान भरने से पहले विदेश में जांच से गुजरना पड़ता था। भारत ने अब घरेलू स्तर पर इन सेवाओं की पेशकश करके ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है।

एएआर इंडामेर विमानों को घटक मरम्मत, एयर फ्रेम, लैंडिंग गियर और इंजीनियरिंग सेवा सेवाओं के रूप में वाणिज्यिक विमानन एमआरओ प्रदान करता है। ये एमआरओ स्ट्रक्चर शॉप-शीट मेटल और कम्पोजिट रिपेयर जैसे फ्लाइट ऑवर सपोर्ट, कंज्यूमेबल्स और एक्सपेंडेबल्स एग्रीगेटर डिजिटल सर्विसेज, एयरिनमार, कॉन्ट्रैक्टर लॉजिस्टिक्स सपोर्ट (सीएलएस) और परफॉर्मेंस बेस्ड लॉजिस्टिक्स (पीबीएल) जैसी सेवाएं भी प्रदान करते हैं। इन एमआरओ ने केबिन शॉप - सीटें और प्लास्टिक मरम्मत के साथ-साथ विमान पेंटिंग की भी सुविधा प्रदान की।

एएआर-इंडामेर (एमआरओ) के निदेशक, प्रजय पटेल ने कहा, "हमारा लक्ष्य स्थानीय विमानों के साथ-साथ विदेशी विमानों का रखरखाव करना है। स्थानीय विमानन पारिस्थितिकी तंत्र को भी बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय बुनियादी ढांचे, स्थानीय विक्रेता आपूर्तिकर्ताओं को एहसास हुआ है कि यहां उनका बाजार है, साथ ही जो सामग्री विदेश से आती है, स्थानीय खरीद भी की जाती है।

प्राजय ने कहा, ₹आने वाले दशकों में हमारे पास एक बहुत मजबूत विमानन पारिस्थितिकी तंत्र होगा₹। उन्होंने यह भी कहा कि "हवाई अड्डा क्षेत्र का विकास एक ऐसी चीज है जिसे सरकार प्राथमिकता दे रही है, उनके पास हवाई अड्डों की आश्चर्यजनक संख्या है।

एएआर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राहुल शाह ने कहा, "एमआरओ उद्योग का दृष्टिकोण बहुत आशावादी है। अगले 10 वर्षों में भारतीय एयरलाइंस का ट्रैफिक तीन से चार गुना बढ़ने की उम्मीद है। भारत बड़े पैमाने पर आर्थिक दृष्टिकोण से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, "भारत में बहुत सारे विमानों की खरीदारी हो रही है। इंडिगो ने 500 विमानों का ऑर्डर दिया है, एयर इंडिया ने 470 विमानों का ऑर्डर दिया है, अन्य एयरलाइंस ने भी ऑर्डर दिया है, आप देख सकते हैं कि 1250 विमान भारत आ रहे हैं।"

यह उद्घाटन नागपुर के एमआरओ परिदृश्य में एक और महत्वपूर्ण विकास के बाद हो रहा है। अभी हाल ही में, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने मिहान में इंडामेर-एयरबस हेलीकॉप्टर एमआरओ सुविधा का शुभारंभ किया।

13 जनवरी यौमे-ए- वफात पर विशेष।

नेताजी सुभाषचंद्र बोस के लिए राह हमवार करने वाले स्वतंत्रता सेनानी डॉक्टर मोहम्मद इक़बाल शैदाई

मोहम्मद इक़बाल शैदाई की पैदाइश सन् 1888 में स्यालकोट में हुई थी। आपके वालिद पेशे से टीचर थे। सन् 1920 में जब हिन्द को दारुल-हरब करार दे दिया गया,तब मुसलमानों के ऊपर अंग्रेज़ी हुकूमत से लड़ना फर्ज (वाजिब) हो चुका था। तभी इक़बाल शैदाई ने गदर पार्टी को ज्वाइन किया और अपना घर छोड़ अफ़ग़ानिस्तान की तरफ निकल गये। हज़ारों की तादाद में इण्डियन वहां पहुंच चुके थे। सभी इण्डियन के बीच आपने अंग्रेज़ों के खिलाफ़ लड़ने की तैयारी करायी। सन् 1923 में आप अफ़गानिस्तान से इटली पहुंचे, फिर मास्को और वहां से पेरिस। हर जगह आपने हिंदुस्तान से अंग्रेज़ी हुकूमत को निकालने के लिए हिन्दुस्तानियों को एक करके अंग्रेज़ों से लड़ने के लिए मुत्ताहिद किया।सन् 1938 में इन्हीं वजहों से आपको फ्रांस छोड़ देने को कहा गया; जर्मनी में पाबन्दी लगा दी गयी, मगर कुछ अफ़गान दोस्तों की मदद से वह

पाबन्दी हट गयी। सन् 1938 में इक़बाल साहब गदर पार्टी के प्रतिनिधि की हैसियत से स्विट्जरलैंड गये। इक़बाल शैदाई साहब ने अंग्रेज़ी हुकूमत के ख़िलाफ़ नेताजी की सलाह पर तीन बड़े काम किये- (1) आजाद हिंदुस्तान सरकार की स्थापना की, (2) रेडियो हिमालया के नाम से रेडियो स्टेशन चलाया जहां से हिन्दुस्तान के जंगी सिपाहियों को सन्देश दिया जाता रहा और (3) इन सिपाहियों की मदद से आज़ाद हिन्दुस्तान बटालियन की स्थापना। शैदाई साहब के इन तीनों काम ने नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के लिए राह हमवार कर दी और इसी बुनियाद पर नेताजी ने आज़ाद हिन्द सरकार बनायी- साथ ही, आज़ाद हिन्द फ़ौज और रेडियो के ज़रिये से अपने सन्देश लोगों तक पहुंचाये।बाद में शैदाई

अपने वतन लौट आये, जहां अंग्रेज़ अफ़सरों ने परेशान करना शुरू किया जिसकी वजह से वापस इटली चले गये वहां आपने उर्दू पढ़ाने का काम अंजाम दिया। इसी बीच रोम में आपकी मुलाकात मौलाना आज़ाद से हुई। मौलाना ने दिल्ली आने की दावत दी, मगर शैदाई साहब का हिन्दुस्तान आना खतरनाक था, जिस वजह से आप हिन्दुस्तान नहीं आये।शैदाई साहब की ज़िन्दगी पर मौलाना मोहम्मद अली जौहर की बड़ी छाप दिखती है। जिस तरह मोहम्मद अली जौहर ने एक गुलाम मुल्क में मरना पसंद नहीं किया था,ठीक उसी तरह शैदाई साहब ने भी एक गुलाम मुल्क में जीना पसंद नही किया और अपने वतन से दूर रहकर वतन को आज़ाद कराने की कोशिशों में जुटे रहे और जब तक वतन आज़ाद न हुआ, आप लौटे नहीं। हिन्दुस्तान आने पर मुस्लिम लीग के लोगों से आपकी दुश्मनी जो पहले से ही थी (जब शैदाई साहब ने बंटवारे की मुखालिफत की थी)। इसी बिना पर आपको लीग के लोगों से खतरा दिखा और आप मौलाना आज़ाद के मना करने के बाद भी वापस इटली चले गये। आपका इंतकाल 13 जनवरी सन् 1974 को हुआ।संदर्भ-लहू बोलता भी हैलेखक -सैय्यद शाहनवाज़ अहमद कादरी, कृष्ण कल्कि पृष्ठ संख्या.306,307संकलन हसरत अलीशेरपुर जिला मुज़फ्फ़रनगर

भिवंडी में यातनाओं के कारण बढ़ रही आत्महत्या, दो दिन में दो घटना उजागर होने से मचा हड़कंप

से हुई थी। लेकिन शादी के बाद से कविता को उसके ससुराल में प्रतिदिन उसके पति,सांस,ससुर आदि लोगों द्वारा किसी न किसी बात को लेकर ताने, गाली-गलौज किया जाता था।साथ ही छोटी छोटी बात पर कविता के साथ मारपीट किए जाने के साथ उसे जलील व प्रताडित किया जाता था जिससे तंग आकर कविता ने अपने घर की रसोई में लोहे की रॉड से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। कोनगांव पुलिस ने उपरोक्त कारणों से आत्महत्या करने के लिए प्रेरित करने को लेकर पति परिमल एकनाथ ठाकुर सहित ससुराल के 7 लोगों पर एफआईआर नंबर 05/2024 में भा.द.वि.अधिनियम की धारा 306, 34 के तहत मामला दर्ज किया है।

हिंदी दुनिया के लिए ज़रूरी भाषा बनती जा रही है - ग्रेग पार्डो

रही है कि 45 साल की पत्रकारिता की सेवा करने के बाद पहली बार मुझे मुंबई हिंदी पत्रकार संघ की ओर से सम्मानित किया जा रहा है। लेकिन दुःख के साथ मुझे कहना पड़ रहा है कि हिंदी पत्रकारों को वह सम्मान और हक नहीं मिला, जिसका वे असली हकदार हैं। मुंबई हिंदी पत्रकार संघ की तरफ से योगायन समूह के प्रमुख डॉ राजेंद्र प्रताप सिंह, अभिनेता आशुतोष राणा, छत्तीसगढ़ साहित्य परिषद के संरक्षक डॉ राजाराम त्रिपाठी, वरिष्ठ पत्रकार सुदर्शना द्विवेदी और अमेरिकन महा वाणिज्य दूतावास के प्रवक्ता के ग्रेग पार्डो को हिंदी भाषा के विकास में योगदान के लिए हिंदी सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। इस दौरान कई सामाजिक, साहित्यिक, अभिनय कला क्षेत्र और राजनैतिक क्षेत्र के जानी-मानी विभूतियों को ने सम्मानित किया। इस अवसर पर उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष आर एन सिंह, मुंबई भाजपा के उपाध्यक्ष अमरजीत सिंह, आचार्य पवन त्रिपाठी, प्रदेश भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के अध्यक्ष संजय पांडेय, मुंबई हिंदी पत्रकार संघ के अध्यक्ष आदित्य दुबे, महासचिव विजय सिंह कौशिक, उपाध्यक्ष राजकुमार सिंह, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र मिश्र, कार्यकारिणीसदस्य हरगोविंद विश्वकर्मा, सैयद सलमान, अशोक शुक्ला, अखिलेश तिवारी व अखिलेश मिश्र, वरिष्ठ पत्रकार अनुराग त्रिपाठी, हेमंत तिवारी, सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन विधि जैन तथा आभार सुरेंद्र मिश्र ने व्यक्त किया।हिंदी पत्रकार भवन के लिए सरकार मुंबई में जमीन देगीमहाराष्ट्र के राज्य के राजस्व और पशुपालन, डेयरी विकास मंत्री तथा कार्यक्रम के उद्घाटक राधाकृष्ण विखे पाटिल ने हिंदी पत्रकारों के समक्ष होने आने वाली चुनौतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि दूसरों की खोज-खबर लेने वाले मुंबई हिंदी पत्रकार संघ का खुद का भवन नहीं है, इसलिए सरकार ने संघ को भवन के लिए जमीन देने की घोषणा की। उनकी इस घोषणा से पूरा हाल तालियों से गूंज उठा।

सीईसी, ईसी की नियुक्ति कानून पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, कें द्रको नोटिस

सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। मध्य प्रदेश की कांग्रेस नेता जया ठाकुर और वकील गोपाल सिंह ने मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की शर्तें) अधिनियम, 2023 की वैधता पर सवाल उठाते हुए उसे चुनौती दी है। श्री सिंह ने शीर्ष अदालत से गुहार लगाई कि वह सीईसी और ईसी की नियुक्ति के लिए चयन समिति में भारत के मुख्य न्यायाधीश को शामिल करने के लिए केंद्र सरकार को उचित आदेश जारी करने का निर्देश दे, जिसमें वर्तमान में प्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री और सदन में विपक्ष के नेता शामिल हैं। सुश्री ठाकुर ने 2023 के कानून के प्रावधानों को संविधान के अनुच्छेद 14, 21, 50 और 324 के तहत अधिकारातीत घोषित करने का निर्देश देने की मांग की, क्योंकि ये निर्धारित सिद्धांतों के विपरीत होने के अलावा स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के सिद्धांतों का उल्लंघन हैं। उन्होंने तर्क देते हुए शीर्ष अदालत के 'अनूप बरनवाल बनाम यूनियन ऑफ इंडिया' मामले का हवाला दिया। कानून और न्याय मंत्रालय ने 28 दिसंबर 2023 को नए अधिनियम को अधिसूचित किया था।शीर्ष अदालत की संविधान पीठ ने 02 मार्च 2023 को फैसला सुनाया था कि कानून बनने तक मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति एक समिति की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा की जाएगी, जिसमें प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश शामिल होंगे।

मोदी लक्षद्वीप गए और मालदीव में भूकं प आया; सीएम शिंदे ने की प्रधानमंत्री की तारीफ

पंचवटी में आये थे। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यह खुशी की बात है कि प्रधानमंत्री श्री राम की पवित्र भूमि पर आये हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने करोड़ों राम भक्तों के सपने और बाला साहेब ठाकरे के अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनाने के सपने को पूरा किया है। मैं उनके प्रति अपना आभार व्यक्त नहीं कर सकता, बस इतना कह सकता हूं 'मोदी है तो मुमकिन है !' हमारे मोदीजी लक्षद्वीप गए और मालदीव में भूकंप आ गया। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी कहा कि अब कोई भी हमारे देश की तरफ बुरी नजर से देखने की हिम्मत नहीं कर सकता, यह सिर्फ हमारे प्रधानमंत्री मोदी की वजह से है कि हमारे देश का नाम पूरी दुनिया में गूंज रहा है। हमारे देश का नाम अब पूरे विश्व में गौरवान्वित हो रहा है। जी20 हो रहा है, चंद्रयान एक सफल मिशन है। इसीलिए कई देशों के प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति अपने प्रधानमंत्री के साथ सेल्फी ले रहे हैं, कोई बॉस कह रहा है, कोई झुककर सलाम कर रहा है, यह हमारे लिए गर्व की बात है। एकनाथ शिंदे ने यह भी कहा कि यह देखकर सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है कि हमारा देश महाशक्ति बनने की राह पर है। नासिक में मोदी का जोरदार स्वागत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आज नासिक में जोरदार स्वागत हुआ। इसके बाद मोदी ने नासिक के प्रसिद्ध कालाराम मंदिर में महंतों की मौजूदगी में पूजा की। उन्होंने गोदावरी की पूजा कर नदी का जल हाथ में लेकर अर्घ्य भी दिया। इससे पहले नासिक शहर से भी रोड शो निकाला गया था, इस बार सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में नागरिकों की भीड़ देखी गई।

पृष्ठ 1/8 का शेष

PM मोदी ने किया सी-ब्रिज

बनाने से पहले कई बातों पर गौर किया जाता है. जैसे- जिस जगह पुल बनना है कि वहां की गहराई कितनी है. मिट्टी की क्वालिटी कैसी है. ब्रिज बनाने पर वहां कितना भार पड़ेगा और उस ब्रिज पर वाहनों का कितना भार पड़ेगा. यह सारें पॉइंट्स तय होने के बाद ब्रिज की प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार की जाती है और इसका निर्माण शुरू किया जाता है. जिस जगह पर पुल बनाया जाना है, वहां की गहराई में मौजूद चट्टान की भी जांच की जाती है. इससे यह तय हो पाता है कि पुल कितना मजबूती से खड़ा रह पाएगा.

गिलास में स्ट्रॉ की तरह तैयारीः आसान भाषा में समझें तो पानी में पिलर को खड़े करने की प्रॉसेस बिल्कुल वैसी ही है जब पानी भरे किसी गिलास में स्टॉ को डालना. वो पानी को हटाते हुए अपनी जगह बनाती है और बाद में स्टॉ में मौजूद

भीड़ भाड़ वाले बाजार में दिनदहाड़े महिला

समय दो अज्ञात लोग उनके पास आए और उनसे कहा कि सेठानी के लड़के का बर्थडे मनाया जा रहा है उसमें 2000 रुपये नगद, साड़ी और चप्पल भेंट दी जा रही है, आप भी चल कर उसमें से उपहार ले लो। इस तरह बहला फुसलाकर दोनों ठग पास की गली में मीनाताई ठाकरे हाल के सामने एक दुकान के पास ले गए और उन्हें वहां बिठा दिया साथ में उनके हाथ में कुछ थैली पकड़ा दी, जिसमें ग्लूकोज के बिस्किट थे। उसके बाद उन ठगों ने कहा कि आप अपने गहने उतारकर थैली में रख लीजिए उन्होंने अपने गहने उतार कर थैली में रख दिए उसके उपरांत दोनों ठगों ने कहा कि आप बैठो और मैं थैली बांध कर देता हूं, अभी सेठानी आने वाली है कह कर दोनों ठग वहां से हाथ की सफाई कर उनके गहने वाली थैली लेकर फरार हो गए। शिकायत कर्ता विजयलक्ष्मी गुप्ता के अनुसार वह 10 से 15 मिनट तक बेहोशी की हालत में रही, जब उन्हें होश आया तो उन्हें अपने साथ गहनों की ठगी का एहसास हुआ। उसके उपरांत उन्होंने अपने लड़के के साथ निजामपुर पुलिस स्टेशन में जाकर अपने साथ की गई दो तोले सोने की चेन और दो कर्णफूल की ठगी करने का मामला दर्ज कराया। निजामपुर पुलिस ने भा दं सं की धारा 420 व 34 के तहत मामला दर्ज कर दोनों अज्ञात ठगों की तलाश शुरू कर दी है।

महाराष्ट्र में I.N.D.I.A गठबंधन

कोटे से करेगी एडजस्ट

कांग्रेस को आवंटित की गई 20 सीटों में से पार्टी अपने कोटे से दो सीटें वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) के प्रकाश अंबेडकर और स्वाभिमानी शेतकारी संगठन (एसएसएस) के राजू शेट्टी जैसे संभावित सहयोगियों के लिए अलग रखने को तैयार है। अगर प्रकाश अंबेडकर महा विकास आघाडी गठबंधन में शामिल होने का फैसला करते हैं तो वीबीए के लिए अकोला लोकसभा सीट और राजू शेट्टी के लिए हटकनंगले सीट अलग रखने को तैयार है। वंचित बहुजन आघाडी (VBA) और स्वाभिमानी शेतकारी संगठन (SSS) दोनों ने अधिक सीटें मांगी हैं।

अंबेडकर-शेट्टी पर हां है बाकी

सूत्रों का कहना है कि वीबीए ने एमवीए में सभी सहयोगियों के लिए 12 सीटें मांगी हैं। इनमें स्वाभिमानी शेतकारी संगठन के प्रमुख राजू शेट्टी ने भी चार से पांच सीटें मांगी हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि राजू शेट्टी हटकनंगले सीट पर सहमत हो सकते हैं। हमें यकीन नहीं है कि प्रकाश अंबेडकर भी 20-18-10 के फॉर्मूले पर सहमत होंगे। कांग्रेस नेता ने कहा अगर वे अधिक सीटें मांगते तो फिर गठबंधन को लेकर गंभीर नहीं हैं। नेता ने कहा कि सीटों पर चर्चा के लिए तीनों दलों के नेता 14 और 15 जनवरी को दिल्ली में बैठक करने वाले हैं।

एकनाथ शिंदे का दावा-

कि एकनाथ शिंदे का गुट ''असली शिवसेना'' है. सीएम शिंदे ने अटल सेतु को लेकर कहा कि कोविड के काल के दौरान भी अटल सेतु के काम चलता रहा. सिर्फ 20 मिनटों में मुंबई से नवी मुंबई आ सकते हैं. ईंधन बचेगा और वक्त बचेगा. उन्होंने कहा कि अन्याय और अत्याचार को खत्म करने के लिए प्रभु श्रीराम ने सेतु बनाया था, उसी तरह से अहंकारी लोगों का अहंकार भी अटल सेतु से चकाना चूर हो जायेगा. उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में लोगों का उत्साह देखने मिल रहा है. लोग सड़कों पर रुके हैं, इतना प्रेम किसी को नहीं मिलता होगा. मुख्यमंत्री ने कहा कि विरोधी लोगों यह हमेशा खटकता हैं, उनके पेट में दर्द होता हैं. इससे सरकार का काम नहीं रुकेगा. उन्होंने कहा, ₹फिर एक बार मोदी सरकार और महाराष्ट्र में अब की बार 45 पार.₹ सीएम एकनाथ शिंदे ने सभी से अनुरोध किया कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए प्रधामंत्री मोदी का सम्मान दिया जाना चाहिए.

रिवाल्वर व जिंदा कारतूस के साथ

ने शस्त्र अधिनियम व मुंबई पुलिस कायदा कालम के तहत गुनाह दर्ज़ कर छानबीन शुरू किया था।नारपोली पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक भरत कामत ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि गिरफ्तार आरोपी पेशेवर मुजरिम है।जिसने भिवंडी तालुका व शांतीनगर पुलिस स्टेशन हद में योजनाबद्ध तरीके से खून,डकैती,जबरी चोरी जैसे तकरीबन 10 अपराधिक घटनाओं को पहले अंजाम दे चुका है। जो कि स्थानीय गोवा गांव में स्थित दादा पाटील के बिल्डिंग में रहता है।जबकि वह यूपी के बलिया जिले के गाजियापुर गांव का रहने वाला है।गिरफ्तार आरोपी को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया ,जिसे अदालत ने 14 जनवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है।मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक विजय मोरे कर रहे है।

हिंदी दुनिया के लिए ज़रूरी भाषा बनती जा रही है - ग्रेग पार्डो

मुंबई। मुंबई में अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास के प्रवक्ता ग्रेग पार्डो ने हिंदी भाषा की खासियत का उल्लेख करते हुए कहा कि हिंदी दुनिया के लिए जरूरी भाषा बनती जा रही है। भारत को जानने के लिए हिंदी जरूरी है और यही वजह है कि पिछले कुछ साल से अमेरिका से बड़ी संख्या में छात्र हिंदी सीखने के लिए भारत आ रहे हैं।विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर मुंबई हिंदी पत्रकार संघ की ओर से बुधवार की शाम बांद्रा (पूर्व) के उत्तर भारतीय संघ भवन हॉल में आयोजित हिंदी सेवा सम्मान एवं स्मारिका विमोचन समारोह में सम्मानित होने के बाद लोगों को संबोधित करते हुए अभिनेता आशुतोष राणा ने कहा कि हिंदी भाषा को अगर हम गरिमा प्रदान करगें तो वह भी हमें गरिमा प्रदान करेगी। कौशल विकास व रोजगर पालकमंत्री, मुंबई उपनगर मंगल प्रभात लोढा ने कहा कि हिंदी जबान बहुत प्यारी और मीठी होती है, जो इसके संपर्क में आता है उसे हिंदी फेविकोल की तरह पकड़ कर अपना बना लेती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश बहुत आगे बढ़ रहा है। ऐसे में हमें उम्मीद ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि देश के विकास के साथ राजभाषा हिंदी का भी विकास होगा। विधायक राजहंस सिंह ने कहा कि हिंदी ही एक ऐसी भाषा है, जो सभी दिलों को जोड़ने का काम करती है। यह किसी से किसी को तोड़ने की बात नहीं करती। उन्होंने आज का यह कार्यक्रम पत्रकारों का है। पत्रकार बुद्धिजीवी होते हैं। पत्रकारों के हाथ में जो कलम होती है,वह कलम नहीं तलवार है। पत्रकार अपनी विश्वसनीय खबरों से सरकार को हिलाने का काम करते हैं।सांसद मनोज कोटक ने कहा कि हिंदी साहित्य का प्रभाव इस शहर पर बहुत है। हिंदी का प्रयोग अच्छे कार्य के किए किया जाना चाहिए न कि राजनीति के लिए। उन्होंने कहा कि पत्रकर कलम का धनी होता है। उसके हाथ में कलम होती तलवार नहीं। पत्रकार का कार्य है रचनात्मक कार्यों में सहयोग देना। पूर्व मंत्री व प्रदेश कांग्रेस कार्याध्यक्ष नसीम खान ने कहा की हिंदी के लिए कार्य करने वालों को आगे लाने की पहल अच्छी है। मंत्री कृपाशंकर सिंह ने कहा की हिंदी सबकी भाषा है। वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार सुदर्शना द्विवेदी ने कहा कि आज मुझे बहुत खुशी हो शेष पृष्ठ 7 पर

भीड़ भाड़ वाले बाजार में दिनदहाड़े महिला के साथ गहनों की ठगी, आरोपी फरार

सिटी न्यूज मुंबई/गनी खान भिवंडी शहर में महिलाओं के साथ ठगी हुआ चेन स्नेचिंग जैसी घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है।इसी तरह शहर के भीड़ भाड़ वाली बाजार पेठ क्षेत्र में घरेलू गैस सिलेंडर बुक करके सब्जी खरीदने गई महिला के साथ दो अज्ञात लोगों ने झांसा देकर उसके दो तोले सोने की चैन व दों कर्णफूल की ठगी कर दो आरोपी हो गए। पीड़िता महिला की शिकायत पर निजामपुर पुलिस ने दो अज्ञात लोगों के विरुद्ध ठगी का मामला दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार घूंघट नगर निवासी विजयलक्ष्मी मदनलाल गुप्ता 60 सुबह करीब 11:00 अपने घर से निकलकर बाजार पेठ स्थित नवी चाल स्थित गैस एजेंसी में अपने घर के लिए गैस सिलेंडर बुक कराने गई थी, उसके उपरांत वह सब्जी भाजी खरीदने के लिए पास के मार्केट में गई। उसी शेष पृष्ठ 7 पर

रिवाल्वर व जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार आरोपी निकाला बड़ा अपराधी

मात्र शांतिनगर पुलिस स्टेशन में हत्या,डकैती,छिनौती के 10 अपराधिक मामले पहले से दर्ज

सिटी न्यूज मुंबई/गनी खानभिवंडी के दापोड़ा पाइप लाइन इलाके से रिवाल्वर के साथ गिरफ्तार आरोपी बड़ा अपराधी निकाला।जिस पर हत्या,डकैती, छिनैती के 10 अपराधिक मामले पहले से उस पर शांतिनगर पुलिस स्टेशन में दर्ज है।जो पेशेवर गुनाहगार है। पुलिस ने बताया कि नारपोली पुलिस स्टेशन के पुलिस शिपाई जनार्दन बांगर ने दापोडा रोड पर स्थित सागर कांप्लेक्स के पास पाइप लाइन से नौ जनवरी की रात 7.45 बजे एक संदिग्ध व्यक्ति को दबोच कर उसके पास एक देशी बनावटी पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया था। जिसकी कीमत 30 हजार रुपया बताई गई है। गिरफ्तार का नाम राम अशीष जनार्दन पटेल (32)है।आरोपी के विरुद्ध में नारपोली पुलिस शेष पृष्ठ 7 पर

भिवंडी में यातनाओं के कारण बढ़ रही आत्महत्या, दो दिन में दो घटना उजागर होने से मचा हड़कंप

सिटी न्यूज मुंबईभिवंडी में नव वर्ष में यातनाओं के कारण आत्महत्या की घटना में वृद्धि हो रही है।पिछले दो दिन में दो लोगों द्वारा इस कारण खुदकुशी कर अपनी जीवनलीला समाप्त करने का केस दर्ज हुआ है।स्थानीय काल्हेर इलाके में सूदखोर द्वारा ब्याज पर दिए गए पैसे का लगातार की जा रही तगादे से त्रस्त होकर एक व्यक्ति ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली।पुलिस ने सूदखोर को गिरफ्तार कर लिया है।वही ससुराल वालों की प्रताड़ना से परेशान होकर विवाहिता ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली।इस मामले में पुलिस ने महिला के पति सहित 7 लोगों पर केस दर्ज किया है।लेकिन सभी अभी फरार है। पुलिस के अनुसार स्थानीय काल्हेर के राजलक्ष्मी कामर्शियल कॉम्प्लेक्स में रहने वाले अशोक शंकर पाटील (61) ने कुछ माह पूर्व घर काम के लिए यशवंत मुगुटराव गायकवाड (58)से ब्याज पर पैसा उधार लिया था।जिसके कारण कुछ दिनों से साहूकार द्वारा दिए गए पैसे का ब्याज हेतु लगातार तगादा किए जाने के साथ धमकी दिया जा रहा था।जिससे परेशान होकर भय के कारण अशोक ने 7 जनवरी को घर में जहर खाकर खुदकुशी कर ली।इस मामले में नारपोली पुलिस ने 12 जनवरी को साहूकार यशवंत पर पीएसआई संतोष शिंदे की शिकायत पर आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का केस दर्जकर उसे गिरफ्तार कर लिया है। इसी तरह भिवंडी तालुका के कल्याण रोप पर स्थित पिंपलगांव निवासी कैलाश आत्माराम भोईर ने कोनगांव पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत में बताया है कि कविता परिमल ठाकुर की शादी ठाकराचापाडा के रहने वाले परिमल एकनाथ ठाकुर शेष पृष्ठ 7 पर

यह दैनिक मालक-मुद्रक-प्रकाशक, संपादक मोहम्मद शकील अब्दुल रफीक ने सिटी इन्टरप्राजेस धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे से प्रकाशित किया, मुख्य कार्या लय- धरती कॉम्पलेक्स शॉप नं. 11, एवरशाईन नगर, मिरा रोड (पूर्व), जिल्हा - ठाणे महाराष्ट्र।मुंबई कार्या लय- शॉप नं. 14 उपाध्याय इंडस्ट्रियल इस्टेट, दहिसर चेक नाका, मुंबई इस समाचार पत्र में प्रकाशित सभी समाचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है किसी भी विवाद का निपटारा मा. ठाणे न्यायालय के अधीन होगा संपादक मो. शकील अ. रफीक : मो. 9869128483
Email : shakeelsahara@gmail.com / citynewsmumbai@gmail.com website : www.citynewsmumbai.in RNI No. : MAHHIN/2012/47486